स्वच्छता में प्रदेश ने लगाई छलांग, लखनऊ संग 18 शहरों को अवॉर्ड

स्वच्छता सर्वेक्षण

आम लोगों की सर्वाधिक भागीदारी में राजधानी सबसे आगे, वाराणसी सर्वाधिक स्वच्छ गंगा शहर

यूपी की रैंकिंग में सुधार, देशभर में सातवें से छठे स्थान पर पहुंचा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता पुरस्कारों में लखनऊ और वाराणसी समेत यूपी के 18 शहरों को अवॉर्ड मिला है। यही नहीं, यूपी की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है और वह सातवें से छठवें स्थान पर पहुंच गया है। लखनऊ को 'बेस्ट स्टेट कैपिटल इन सिटीजन फीडबैक' यानी आम लोगों की सर्वाधिक भागीदारी का पुरस्कार मिला। वहीं, वाराणसी को एक लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों में सबसे स्वच्छ गंगा शहर का पुरस्कार मिला। हालांकि देश के टॉप 10 स्वच्छ शहरों में यूपी का एक भी शहर नहीं है। लखनऊ को 12वां स्थान मिला है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ अमृत महोत्सव-2021 में यह अवॉर्ड दिया गया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने यह पुरस्कार बांटे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रैंकिंग में सुधार के लिए प्रदेश की जनता को बधाई दिया है।

नई दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से पुरस्कार ग्रहण करते नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन।

कूड़ा मुक्त शहरों में लखनऊ को थ्री स्टार रेटिंग

गार्बेज फ्री सिटी में यूपी के 5 शहरों को स्टार रेटिंग पुरस्कार मिला। 10 लाख की आबादी से अधिक शहरों में लखनऊ एवं गाजियाबाद, 1 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में नोएडा, अलीगढ़ एवं झांसी को स्टार रेटिंग का पुरस्कार मिला। लखनऊ को थ्री स्टार व नोएडा को फाइव स्टार रेटिंग मिली। कूड़ा मुक्त शहर का सर्वेक्षण चार श्रेणियों वन स्टार, थ्री स्टार, फाइव स्टार और सेवन स्टार में होता है। -संबंधित माईसिटी पेज 2

इस आधार पर रैंकिंग

- 6,000 अंकों के आधार पर मापी गई शहरों की स्वच्छता

4,320 शहरों और 62 छावनी क्षेत्रों में हुआ सर्वेक्षण

विशेष एप व पोर्टल के सहारे हुई डिजिटल रायशुमारी

टॉप-10 में यूपी का कोई शहर नहीं

इंदौर देश में पांचवीं बार सबसे अव्वल : पेज 15

प्रदेश के इन शहरों को भी पुरस्कार

- स्वच्छ गंगा शहरों में कन्नौज को एक लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पुरस्कार।
- मेरठ को 10 लाख से 40 लाख तक की आबादी वाले शहरों में तेजी से बढ़ते बड़े शहर का पुरस्कार मिला। इसी श्रेणी में गाजियाबाद को 'बेस्ट बिग सिटी इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' पुरस्कार मिला।
- नोएडा 3 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में स्वच्छतम मध्यम शहर चुना गया। हापुड़ को 1 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नागरिकों की सर्वाधिक भागीदारी का पुरस्कार मिला।
- मेरठ कैंट को एक लाख की आबादी वाले शहरों में स्वच्छ कैंटोनमेंट का पुरस्कार मिला।
- एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में वाराणसी कैंट को नागरिकों के फीडबैक में सर्वश्रेष्ठ कैंटोनमेंट का पुरस्कार।